Roll No:

CLASS- M.Ed 1yr.

HARYANA COLLEGE OF EDUCATION

KINANA (JIND) HARYANA

WORKING WITH COMMUNITY BASED ON ANY PROJECT OF SOCIL WELFARE (Ankur "An Institute for mentally Challenged Persons"

Submitted To:

Submitted By:

Date : _____

Topic : _____ Page : _____

INDEX

SERIAL NUMBER	CONTENTS	PAGE NUMBER	TEACHER SIGN.
1.	परिचय		
2.	अंकुर स्कूल की स्थापना		
3.	प्रेरणा के स्त्रोत		
4.	स्कूल के सहयोगी		
5.	भविष्य के लिए योजनाएँ		
6.	अंकुर स्कूल का अनुभव सुविधाएँ		
7.			
8.	व्यक्ति अध्ययन सार		

spectrum

Teacher's Signature

Topic _____ Date _____

समाज कल्याण प्रोजेक्ट के अंतर्गत समुदाय के साथ कार्य करना

परिचय : →

सामाजिक कल्याणकारी परियोजना के महत्व को ध्यान में रखते हुए और पाठ्यक्रम के अभिन्न भाग के रूप में गरीब और जरूरतमंदों के विकास और सुधार की दिशा में कार्य करते हुए छात्रों को संवेदनशील और जागरूक बनाना पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस तरह की सामाजिक रूप से उपयोगी गतिविधि विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है, ताकि छात्र कल के शिक्षक समाज की जिम्मेदारी को समझ सकें।

इस समाज कल्याण के प्रोजेक्ट का उद्देश्य एक गैर सरकारी संगठन के कार्य को समझना व उसके लिए कार्य करना है। संगठन के कार्य को समझना व उसके लिए कार्य करना हैं छात्र संगठन के साथ मिलकर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते है। साथ-साथ समाज की परिस्थितियां व कठोर वास्तविकताओं की पहचान करते है * जो गरीब और जरूरत मंद लोगो के सामने आ रही है। इसके अलावा किसी भी आर्थिक प्रतिलाभ की अपेक्षा किये बिना प्रबंधकीय कौशल को लागू करना,

विभिन्न कौशलों को सीखना समाज के मूल्यों और संस्कृति को समझना इस शैक्षिक पाठ्यक्रम की सीखने की सुविधाओं में शामिल है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कोलेज की तरफ से अंकुर मानसिक विकलांग शिक्षण संस्थान के साथ कार्य करने का फैसला किया।

यह स्कूल मानसिक रूप से विकलांग बच्चे और श्रवण बाधित बच्चों को शिक्षा देने का कार्य करता है। यह स्कूल बच्चों को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सक्षम बनाने का कार्य कर रहा है। ताकि उनका भविष्य सुदृढ और उज्जवल हो सके।

अंकुर स्कूल की स्थापना

अंकुर स्कूल की स्थापना Jind Central Jaycees Educational And Charitable Trust, Jind द्वारा की गई. इस ट्रस्ट का संगठन करने वाले आरंभिक सदस्य भारतीय जेसीज के सदस्य है और वे जेसीज की आस्थाओं की छठी "मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। इन जेसीज साथियों ने मानवता के कल्याण के लिए अनोखे एंव कठिन कार्य को करने का बीड़ा उठाया, जिसकी उत्पति, अंकुर

Topic ______ Date ______

मानसिक विकलांग शिक्षण संस्थान के रूप में हुई, जैसीज में कार्य करते हुए हमने पाया कि हम जो भी सामाजिक कार्य करते है, उसका प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर फायदा मानव व मानव समाज को ही होता है और यह कार्य तो गऊशाला मे की गई गाय की सेवा से भी बढकर किया गया सेवा कार्य है, क्योकि इसमें ऐसे बच्चो की सेवा कार्य है कि शत - प्रतिशत इस दुनिया के छल - कपट - भय - ईर्ष्या - बेईमानी - धोखा एवं अन्य विकारों से दूर भगवान के प्रतिरूप है इसलिए इनकी सेवा का कार्य तो भगवान की सेवा ही है।

कार्य कठिन होते हुए भी 15 मई 2007 को सोमनाथ मनसा देवी मन्दिर के प्रागण मे हवन यज्ञ के द्वारा "अंकुर मानसिक विकलाग शिक्षण संस्थान का शुभारंभ एक बच्चे के साथ कर दिया। आज इस स्कूल मे 75 बच्चे आप सभी के आशीर्वाद से स्कूल में

Ankur "An Institute for mentally challenged Persons and Hearing Impaired persons. D. Ed. SE(MR) first batch in 2015

Topic _____ Date _____

प्रेरणा के स्त्रोत

मन्द बुद्धि बच्चों की सेवा जैसा कार्य करने की प्रेरणा का बना जैसलिट अंकुर। अंकुर के लिए जींद जिला में आवश्यक स्कूल ना होना जेसीज साथियों के लिए जेसलिट अंकुर प्रेरणा का स्त्रोत बना। जेसलिट अंकुर के परिवार स्कूल के लिए 11,51,000 रु. का सहयोग दियागया है अंकुर के लिए परिवार से ट्रस्ट को समय - समय पर और भी काफी सहयोग मिलता रहता है।

स्कूल के सहयोगी

(1) 1 नवम्बर 2004 को राज्य के मुख्यमन्त्री माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी द्वारा स्कूल को जमीन के साथ 11 लाख रु. का अनुदान दिया गया।

(2) ~~तत्क~~ तत्कालीन शिक्षा मंत्री मांगे राम गुप्ता द्वारा 11 लाख रु. का अनुदान दिया।

इस वर्ष की योजनाए

बड़े गर्व के साथ आपको सूचित किया जा रहा है कि इस वर्ष ट्रस्ट द्वारा आप सभी के सहयोग से D.Ed स्पेशल एजुकेशन यानि कि डिप्लोमा इन एजुकेशन इस सत्र 2015-16 शुरु किया जा चुका है।

इसके शुरु होने से जहां स्पेशल एजुकेटर की समस्या का समाधान होगा वही इस क्षेत्र बच्चो को अपने भविष्य निर्माण का अवसर प्राप्त होगा क्योंकि डी.एड. स्पेशल एजुकेशन को सरकार ने जे.बीटी. का दर्जा प्रदान कर दिया है अब ट्रस्ट ने इसे स्पेशल एजुकेशन को B.Ed एवं D. Ed के लिए आवेदन किया है हमारा विश्वास है कि नये सत्र से यह दोनों कोर्स भी इस संस्थान में प्रारंभ कर दिये जायेंगे।

भविष्य के लिए योजनाएँ

* * * * * * * *

(1) बच्चों के लिए वोकेशनल शिक्षा की शुरुआत करना।

(2) बच्चों के लिए होस्टल की सुविधा प्रदान करना।

(3) बसों की सुविधा प्रदान करना। जिनके द्वारा शहर के २० से ३० K.m. तक के बच्चों को इस स्कूल की सुविधा दी जा सकें।

सुविधाएँ

ट्रस्ट द्वारा बच्चो के विकास के लिए सभी प्रकार की सुविधाएँ प्रदान की जा रही है, जिनका विवरण इस प्रकार है —

1. स्कूल में ऐसे बच्चों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करने के लिए अनुभवी स्टाफ की सेवाए)

Colour Shape A-1 x Bhavya Art

2. बच्चों के मानसिक एवम् शारिरिक विकास के लिए फ़िजियोथैरेपी हाल की सुविधा।
3. इन बच्चो के लिए खेल की सुविधाएं उपलब्ध हैं
4. बच्चों के मनोरंजन का भरपूर प्रबंध है।

अंकुर स्कूल के विद्यार्थी समय - समय पर होने वाली हर प्रकार की खेल सांस्कृतिक एवं शिक्षा से संबंधित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते रहे है। इनमें इस स्कूल के बच्चों द्वारा अनेकों प्रतियोगिताएं जीती गई है।

जिनमें से कुछ इस प्रकार हैः→

1. स्कूल से शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए बाद दो बच्चे सामान्य स्कूल में दाखिला ले चुके हैं। (स्कूल से शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद)
2. स्कूल के सोनू ने वर्ष 2010 में राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिन्हें हरियाणा के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा 14 नवम्बर 2010 को पानीपत सम्मानित किया गया है। अमित नामक बच्चे को वर्ष 2011 में इसी प्रतियोगिता का प्रोत्साहन पुरस्कार महामहिम राज्यपाल द्वारा 14 Nov, 2011 को गुड़गांव मे प्रदान किया गया,
3. 26 जनवरी 2012 को गणतन्त्र दिवस समारोह में इस स्कूल के बच्चो ने Action song में द्वितीय पुरस्कार जीता और माननीय श्री

रणदीप सिंह सुरजेवाला मंत्री हरियाणा सरकार द्वारा इन्हे सम्मानित किया गया । इसके बाद हर वर्ष गणतन्त्र दिवस पर इस स्कूल के बच्चों को उस प्रतियोगिता में प्रथम था

5. स्कूल के एक विद्यार्थी ने फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

6. स्कूल के विद्यार्थी सास्कृतिक कार्यक्रम में भी बहुत आगे है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण आप कई बार देख चुके है।

7. स्कूल में आ रहे बच्चों का यहाँ के शिक्षण एवं प्रशिक्षण से काफी मानसिक विकास हुआ है,

8. इस स्कूल के दो बच्चे स्पेशल औलम्पिक फुटबाल स्पर्धा में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल विजेता टीम के सदस्य बने है।

9. ट्रस्ट द्वारा 10 मार्च 2013 को अंकुर स्कूल में Distt Special Olympic game आयोजित करवाए गए जिसमें लगभग 300 स्पेशल खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया ।

अंकुर स्कूल का अनुभव

स्कूल की आधारिक संरचना बहुत अच्छी थी एवं पर्यावरण बहुत सराहनीय तथा अनुशासित था। सभी विशिष्ट बालकों के लिए उनकी क्षमताओं के अनुसार अलग कक्षा का प्रबंध है। जैसे गुंगे व बहरे बच्चो के लिए, मानसिक रुप से अपंग बच्चों के लिए भिन्न-भिन्न कक्षा की सुविधा है। इस स्कूल मे D.Ed स्पैशल कोर्स भी चलाया जाता है D.Ed के बच्चे भी विकलांग बच्चो को पढाते है। D.Ed स्पैशल कोर्स के बच्चों के लिए पुस्तकालय की सुविधा भी है।

स्कूल के बाहर अच्छा उद्यान है तथा बहुत सारे पेड़-पौधे थे तथा बच्चो के खेलने की सुविधा थी। विशिष्ट बच्चों के लिए बस की सुविधा भी उपलब्ध है। बच्चों को पढाने के लिए संसाधन कक्ष भी है जिस से उन्हे अच्छे से पढाया जा सके। बच्चों को सक्षम बनाने के लिए बहुत से प्रावधान किये गए है जैसे :- मोमबत्ती बनाना, पैन-स्टैण्ड, शगुन कार्ड, दीवार पर लटकाने वाली लड़िया,

आगन्तुका के लिए स्कूल स्टाफ तथा प्रबन्धकों का व्यवहार बहुत अच्छा था। कक्षाओं मे भ्रमण करते हुए हमने यह अनुभव किया कि कुछ बच्चों मे सराहनीय विकास देखने को मिला, उनकी स्थिति

Topic : .... Date : ....

अंकुर स्कूल मे मा विशिष्ट बच्चो
के लिए व्यवसायिक कोर्स भी शुरु
किये गए है। ताकि वे आत्म-निर्भर
बन सके। अंकुर स्कूल प्रबन्धो द्वारा
गाव-गाव जाकर अ जागरुकता अभियान
भी चलाए।

अंकुर स्कूल मे बच्चों को खेलो कि तैयारी
भी करवाई जाती है। तथा कुछ बच्चो ने
राष्ट्रीय स्तर पर खेलों मे हिस्सा लेकर
साबित कर दिया कि हम भी सामान्य बच्चों
से कम नहीं है हमारे अन्तर भी कई प्रकार
के कौशल है।

Designer Sheets